Nitya नित्य

श्री शनि अष्टोत्तर शतनामावली

Shani Ashtottara Shatanamavali

श्री शनि अष्टोत्तर शतनामावली शनिदेव के १०८ नामों की सूची है, जिसमें हर नाम "ॐ ... नमः" के साथ बोला जाता है और आरंभ "ॐ शनैश्चराय नमः" से होता है। भक्त इसे शनिवार को, प्रायः तिल के तेल का दीपक जलाकर, पढ़ते हैं, और बहुत से लोग साढ़ेसाती या शनि की कठिन दशा में इसका पाठ करते हैं। दक्षिण भारत में इसे शनि अष्टोत्तरम् कहते हैं।

नाम १–६

ॐ शनैश्चराय नमः।

ॐ शान्ताय नमः।

ॐ सर्वाभीष्टप्रदायिने नमः।

ॐ शरण्याय नमः।

ॐ वरेण्याय नमः।

ॐ सर्वेशाय नमः।

ॐ सौम्याय नमः।

ॐ सुरवन्द्याय नमः।

ॐ सुरलोकविहारिणे नमः।१॥

ॐ। धीरे चलने वाले शनैश्चर को; शांत देव को; सब मनोकामनाएँ पूरी करने वाले को; शरण देने वाले को; श्रेष्ठ, वरण करने योग्य को; सबके स्वामी को; सौम्य देव को; देवताओं द्वारा वंदित को; और देवलोक में विचरने वाले को नमस्कार।

नाम १०–१८

ॐ सुखासनोपविष्टाय नमः ।

ॐ सुन्दराय नमः ।

ॐ घनाय नमः ।

ॐ घनरूपाय नमः ।

ॐ घनाभरणधारिणे नमः ।

ॐ घनसारविलेपाय नमः ।

ॐ खद्योताय नमः ।

ॐ मन्दाय नमः ।

ॐ मन्दचेष्टाय नमः ।२ ॥

ॐ । सुखासन पर विराजमान को; सुन्दर देव को; घन, अडिग देव को; मेघ-से श्याम रूप वाले को; भारी आभूषण धारण करने वाले को; कपूर का लेप लगाए देव को; आकाश में चमकने वाले को; मंद को; और धीमी गति वाले को नमस्कार।

नाम १९–२७

ॐ महनीयगुणात्मने नमः ।

ॐ मर्त्यपावनपादाय नमः ।

ॐ महेशाय नमः ।

ॐ छायापुत्राय नमः ।

ॐ शर्वाय नमः ।

ॐ शरतूणीरधारिणे नमः ।

ॐ चरस्थिरस्वभावाय नमः ।

ॐ चञ्चलाय नमः ।

ॐ नीलवर्णाय नमः ।३ ॥

ॐ । प्रशंसनीय गुणों वाले को; मनुष्यों को पवित्र करने वाले चरणों वाले को; महान स्वामी को; छाया-पुत्र को; शर्व को; बाणों का तरकश धारण करने वाले को; चल और स्थिर दोनों स्वभाव वाले को; सदा गतिशील देव को; और नील वर्ण वाले को नमस्कार।

नाम २८–३६

ॐ नित्याय नमः ।

ॐ नीलाञ्जननिभाय नमः ।

ॐ नीलाम्बरविभूषाय नमः ।

ॐ निश्चलाय नमः ।

ॐ वेद्याय नमः ।

ॐ विधिरूपाय नमः ।

ॐ विरोधाधारभूमये नमः ।

ॐ भेदास्पदस्वभावाय नमः ।

ॐ वज्रदेहाय नमः ।४ ॥

ॐ । नित्य देव को; काजल-से श्याम को; नीले वस्त्रों से सुशोभित को; निश्चल को; जानने योग्य को; विधि-स्वरूप को; सब विरोधों के आधार को; भेद के आश्रय-स्वभाव वाले को; और वज्र-से कठोर शरीर वाले को नमस्कार ।

नाम ३७–४५

ॐ वैराग्यदाय नमः ।

ॐ वीराय नमः ।

ॐ वीतरोगभयाय नमः ।

ॐ विपत्परम्परेशाय नमः ।

ॐ विश्ववन्द्याय नमः ।

ॐ गृध्नवाहाय नमः ।

ॐ गूढाय नमः ।

ॐ कूर्माङ्गाय नमः ।

ॐ कुरूपिणे नमः ।५ ॥

ॐ । वैराग्य देने वाले को; वीर को; रोग और भय से रहित को; विपत्तियों की श्रृंखला के स्वामी को; विश्व-वंदित को; गिद्ध पर सवार होने वाले को; गूढ़ देव को; कछुए-से अंगों वाले को; और कुरूप कहे जाने वाले को नमस्कार ।

नाम ४६–५४

ॐ कुत्सिताय नमः ।

ॐ गुणाढ्याय नमः ।

ॐ गोचराय नमः ।

ॐ अविद्यामूलनाशाय नमः ।

ॐ विद्याऽविद्यास्वरूपिणे नमः ।

ॐ आयुष्यकारणाय नमः ।

ॐ आपदुद्धर्त्रे नमः ।

ॐ विष्णुभक्ताय नमः ।

ॐ वशिने नमः ।६ ॥

ॐ। जिनसे लोग डरकर दूर रहते हैं, उन्हें; गुणों से संपन्न को; राशियों में गोचर करने वाले को; अविद्या की जड़ नष्ट करने वाले को; विद्या और अविद्या दोनों के स्वरूप को; दीर्घ आयु के कारण को; आपत्ति से उबारने वाले को; विष्णु-भक्त को; और जितेंद्रिय को नमस्कार।

नाम ५५–६३

ॐ विविधागमवेदिने नमः ।

ॐ विधिस्तुत्याय नमः ।

ॐ वन्द्याय नमः ।

ॐ विरूपाक्षाय नमः ।

ॐ वरिष्ठाय नमः ।

ॐ गरिष्ठाय नमः ।

ॐ वज्राङ्कुशधराय नमः ।

ॐ वरदाऽभयहस्ताय नमः ।

ॐ वामनाय नमः ।७ ॥

ॐ। अनेक आगमों के ज्ञाता को; ब्रह्मा द्वारा स्तुत को; वंदनीय को; विलक्षण नेत्रों वाले को; सर्वश्रेष्ठ को; सबसे गुरु, गंभीर देव को; वज्र और अंकुश धारण करने वाले को; वर और अभय देने वाले हाथों वाले को; और वामन, छोटे कद वाले को नमस्कार।

नाम ६४–७२

ॐ ज्येष्ठापत्नीसमेताय नमः ।

ॐ श्रेष्ठाय नमः ।

ॐ मितभाषिणे नमः ।

ॐ कष्टौघनाशकर्त्रे नमः ।

ॐ पुष्टिदाय नमः ।

ॐ स्तुत्याय नमः ।

ॐ स्तोत्रगम्याय नमः ।

ॐ भक्तिवश्याय नमः ।

ॐ भानवे नमः ।८ ॥

ॐ । पत्नी ज्येष्ठा के साथ रहने वाले को; श्रेष्ठ को; कम बोलने वाले को; कष्टों की बाढ़ का नाश करने वाले को; पुष्टि देने वाले को; स्तुति के योग्य को; स्तोत्रों से प्राप्त होने वाले को; भक्ति के वश में रहने वाले को; और प्रकाशमान को नमस्कार ।

नाम ७३–८१

ॐ भानुपुत्राय नमः ।

ॐ भव्याय नमः ।

ॐ पावनाय नमः ।

ॐ धनुर्मण्डलसंस्थाय नमः ।

ॐ धनदाय नमः ।

ॐ धनुष्मते नमः ।

ॐ तनुप्रकाशदेहाय नमः ।

ॐ तामसाय नमः ।

ॐ अशेषजनवन्द्याय नमः ।९ ॥

ॐ । सूर्य-पुत्र को; भव्य को; पवित्र करने वाले को; धनुषाकार मंडल में स्थित को; धन देने वाले को; धनुर्धारी को; मंद प्रकाश वाले शरीर वाले को; तामस को; और सब लोगों द्वारा वंदित को नमस्कार ।

नाम ८२–९०

ॐ विशेषफलदायिने नमः ।

ॐ वशीकृतजनेशाय नमः ।

ॐ पशूनां पतये नमः ।

ॐ खेचराय नमः ।

ॐ खगेशाय नमः ।

ॐ घननीलाम्बराय नमः ।

ॐ काठिन्यमानसाय नमः ।

ॐ आर्यगणस्तुत्याय नमः ।

ॐ नीलच्छत्राय नमः ।१० ॥

ॐ । विशेष फल देने वाले को; राजाओं को भी वश में रखने वाले को; सब प्राणियों के स्वामी को; आकाश में चलने वाले को; आकाशचारियों के स्वामी को; गहरे नीले वस्त्रों वाले को; कठोर मन वाले को; श्रेष्ठ जनों द्वारा स्तुत को; और नीले छत्र वाले को नमस्कार ।

नाम ९१–९९

ॐ नित्याय नमः ।

ॐ निर्गुणाय नमः ।

ॐ गुणात्मने नमः ।

ॐ निरामयाय नमः ।

ॐ निन्द्याय नमः ।

ॐ वन्दनीयाय नमः ।

ॐ धीराय नमः ।

ॐ दिव्यदेहाय नमः ।

ॐ दीनार्तिहरणाय नमः ।११ ॥

ॐ । नित्य को; निर्गुण को; गुणों के स्वरूप को; रोग-रहित को; जिन्हें लोग अक्सर दोष देते हैं, उन्हें; वंदनीय को; धीर को; दिव्य शरीर वाले को; और दीनों का दुःख हरने वाले को नमस्कार ।

नाम १००–१०८

ॐ दैन्यनाशकराय नमः ।

ॐ आर्यजनगण्याय नमः ।

ॐ क्रूराय नमः ।

ॐ क्रूरचेष्टाय नमः ।

ॐ कामक्रोधकराय नमः ।

ॐ कलत्रपुत्रशत्रुत्वकारणाय नमः ।

ॐ परिपोषितभक्ताय नमः ।

ॐ परभीतिहराय नमः ।

ॐ भक्तसङ्घमनोऽभीष्टफलदाय नमः ।१२ ॥

ॐ । दीनता मिटाने वाले को; श्रेष्ठ जनों में गिने जाने वाले को; कठोर देव को; कठोर आचरण वाले को; काम और क्रोध जगाने वाले को; पत्नी और संतान से वैर का कारण बन सकने वाले को; भक्तों का पालन-पोषण करने वाले को; शत्रुओं का भय हरने वाले को; और भक्तों के मन की सब इच्छाएँ पूरी करने वाले को नमस्कार ।

स्रोत: Shri Shani Ashtottara Shatanamavali as given by Stotranidhi (stotranidhi.com, Navagraha stotras, Devanagari); cross-checked name by name with sanskritdocuments.org shani108.itx (from "Ashtoththara Shathanamavali Shatakam", ed. R. Muralikrishna Srowthigal, Vidvath Sabha, Chennai; encoded by Dr. S. Kalyanaraman, proofread with Detlef Eichler), and against the verse form, the Shani Ashtottara Shatanama Stotram, on sanskritdocuments.org (shani108nAmastotra.itx, encoded by Manda Krishna Srikanth, proofread by KSR Ramachandran) and Stotranidhi

ये अर्थ हमारा पहला मसौदा हैं । अभी किसी विद्वान ने इनकी जाँच नहीं की है । कोई भूल दिखे तो हमें ज़रूर बताएँ ।

getnitya.com/hi/shani/shani-ashtottara-shatanamavali/